पाठ का सार

हिंदी जगत के महान कथाकार प्रेमचंद रचित इस कहानी में कृषक समाज और पशुओं के भावात्मक संबंधों को बड़ी संजीदगी से उकेरा गया है। संपूर्ण ग्रामीण समाज के प्रतिनिधि के रूप में झूरी तथा पशुओं के प्रतिनिधि के रूप में हीरा और मोती की जीवन - वृत्तियों के प्रत्येक पहलू का अत्यंत सूक्ष्म वर्णन किया गया है।

'दो बैलों की कथा' कहानी की गणना प्रेमचंद की श्रेष्ठ कहानियों में की जाती है। इस कहानी में कथा के प्रमुख पात्र झूरी काछी के दो बैल हैं, जिन्हें झूरी अत्यंत लाड़-प्यार से रखता है। एक दिन संयोगवश दोनों बैलों को झूरी ने ससुराल भेज दिया परंतु वे वहाँ नहीं रह सके क्योंकि उनके साथ झूरी के साले ने दुर्व्यवहार किया। इसी प्रकार विभिन्न परि-स्थितियों में परेशानियों को झेलते हुए दोनो बैल अंततः झूरी के घर आ गए। जो यह दर्शाता है कि पशुओं में भी भावना होती है।

इस कहानी के माध्यम से प्रेमचंद ने यह बताया है कि स्वतंत्रता की प्राप्ति सहज नहीं है, इसके लिए बार - बार संघर्ष करना पड़ता है। अतः प्रस्तुत कहानी अप्रत्यक्ष रूप से आजादी के आंदोलन की भावना से जुड़ी प्रतीत होती है। इस पाठ के माध्यम से प्रेमचंद ने कृषक समाज और पशुओं के भावात्मक संबंधों का वर्णन किया है। बड़ी से बड़ी बात को सरल भाषा में सीधे और संक्षेप में कहना लेखक के लेखन की प्रमुख विशेषता है। उनकी भाषा सरल, सजीव एवं मुहावरेदार है तथा उन्होंने अरबी, फारसी और अंग्रेजी के प्रचलित शब्दों का प्रयोग कुशलतापूर्वक किया है।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्नोत्तर

प्रश्न - 1) कांजीहौस में कैद पशुओं की हाजिरी क्यों ली जाती होगी ?

Scanned with CamScanner

उत्तर→ कांजीहौस में कैद पशुओं की हाजिरी कैद पशुओं की संख्या, उनकी विभिन्न आवश्यकताओं की पड़ताल जिससे उनके खाने-पीने का इंतजाम उसके अनुसार किया जा सके, पशुओं के व्यवहार का आकलन तथा सभी कैद पशुओं की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए ली जाती होगी।

प्रश्न-2) छोटी बच्ची को बैलों के प्रति प्रेम क्यों उमड़ आया?

उत्तर→ छोटी बच्ची की माँ नहीं थी और सौतेली माँ उसे अत्यधिक सताती थी, ठीक उसी तरह गया बच्ची के फूफा झूरी के बैलों पर अत्याचार कर रहा था। बच्ची उत्पीड़न का दर्द, प्रेम का महत्व, अपनों से बिछड़ने का गम तथा उपेक्षा के दर्द को भली-भाँति समझती थी। अतः उसने हीरा-मोती के दुख एवं कष्ट को भी भली-भाँति समझा। उसका निश्छल मन गया द्वारा हीरा-मोती पर किए जा रहे अत्याचार से द्रवित हो उठा और उनके प्रति उसके दिल में अगाध प्रेम उमड़ आया।

प्रश्न-3) "दो बैलों की कथा" कहानी में बैलों के माध्यम से कौन-कौन से नीति-विषयक मूल्य उभरकर आए हैं?

उत्तर→ "दो बैलों की कथा" कहानी के माध्यम से प्रेमचंद ने अनेक नीति विषयक मूल्य समाज के सामने प्रस्तुत किए हैं जिनमें प्रमुख हैं — सच्ची मित्रता, स्वतंत्रता, निःस्वार्थ परोपकार, नारियों का सम्मान, धर्मपरायणता, समस्याओं से जूझने की हिम्मत तथा सफलता का मूल मंत्र-हिम्मत नहीं हारना।

प्रश्न-4) प्रस्तुत कहानी में प्रेमचंद ने गधे की किन स्वभावगत विशेषताओं के आधार पर उसके प्रति रूढ़ अर्थ 'मूर्ख' का प्रयोग न कर किस नए अर्थ की ओर संकेत किया है?

उत्तर→ प्रेमचंद ने अपनी कहानी दो बैलों की कथा में गधे के लिए सदियों से प्रचलित रूढ़ अर्थ मूर्ख के विपरीत उसकी स्वाभाविक विशेषताओं जैसे सीधेपन, निरापद सहिष्णुता,

Scanned with CamScanner

सुख-दुख, हानि-लाभ किसी भी दशा में एक-सा भाव के आधार पर उसकी तुलना संसार में अत्यधिक बुद्धिमान माने जाने वाले ऋषियों-मुनियों से कर अत्यधिक बुद्धिमान होने की ओर संकेत किया है।

प्रश्न-5.) किन घटनाओं से पता चलता है कि हीरा और मोती में गहरी दोस्ती थी ?

उत्तर→ दो बैलों की कथा का कथा विन्यास प्रेमचंद ने इस तरह किया है कि दोनों बैलों की गहरी दोस्ती पग-पग पर उजागर होती है चाहे वह हल में जोते जाने पर दोनों द्वारा ज्यादा से ज्यादा भार अपने कंधों पर रखने की कोशिश हो या गया द्वारा हीरा की पिटाई पर मोती द्वारा हल लेकर भागना हो। सांड के साथ संगठित युद्ध हो या खेत में मटर खाते मोती के पकड़े जाने पर हीरा का भी वहाँ आ जाना हो। ये सभी घटनाएँ उनकी गहरी मित्रता की कहानी कहते हैं।

प्रश्न-6.) "लेकिन औरत जात पर सींग चलाना मना है, यह भूल जाते हो।" - हीरा के इस कथन के माध्यम से स्त्री के प्रति प्रेमचंद के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर→ हीरा के उपर्युक्त कथन के माध्यम से लेखक प्रेमचंद ने तत्कालीन समाज की अबला नारी का चित्र उकेरा है। तत्कालीन समाज में नारी सम्माननीय तो थी परंतु उसे अबला समझा जाता था। कदम-कदम पर उसकी सुरक्षा के इंतजाम विषयक कानून प्रचलित थे। उपर्युक्त कथन यह सिद्ध करता है कि प्रेमचंद का नारियों के प्रति दृष्टि-कोण भी तत्कालीन समय में नारियों के लिए प्रचलित संज्ञा 'अबला' से प्रभावित था।

प्रश्न-7.) आशय स्पष्ट कीजिए -

(क) अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी, जिससे जीवों में श्रेष्ठता का दावा करनेवाला मनुष्य वंचित है।

उत्तर→ प्रेमचंद द्वारा रचित दो बैलों की कथा से उद्धृत इन

Scanned with CamScanner

पंक्तियों के माध्यम से हीरा और मोती की मित्रता की गहराई को चित्रित किया गया है। हीरा और मोती एक दूसरे से इतने जुड़े हुए थे कि एक-दूसरे के मनोभावों को पढ़ना उनके लिए अत्यंत सरल था। लेखक कहता है कि इन दोनों में अवश्य ऐसी कोई शक्ति है जो प्राणी श्रेष्ठ मानव के पास नहीं है।

(ख) उस एक रोटी से उनकी भूख तो क्या शांत होती; पर दोनों के हृदय को मानो भोजन मिल गया।

इन पंक्तियों के माध्यम से लेखक ने प्रेम भावना को प्रतिपादित किया है। गया के घर हीरा-मोती को बहुत परिश्रम के पश्चात खाने को रूखा-सूखा मिलता था। बैलों पर हो रहे इस अत्याचार को देख उसी के घर की छोटी सी लड़की का हृदय द्रवित हो जाता है। अतः वह नित्य बैलों को सबसे छिपकर दो रोटी खिलाती थी यद्यपि इससे हीरा-मोती की भूख शांत नहीं होती थी परंतु लड़की के प्रेम और त्याग की भावना से उनमें एक उत्साह और शक्ति का संचार होता था, जिससे वे स्वयं को स्वस्थ रखे हुए थे।

गृह-कार्य

1.) कथा सम्राट प्रेमचंद द्वारा लिखित कहानी 'दो बैलों की कथा' के सभी प्रश्नों का उत्तर हिन्दी की कॉपी में लिखें तथा स्मरण करें।

प्रश्न-2.) किसान जीवन वाले समाज में पशु और मनुष्य के आपसी संबंधों को कहानी में किस तरह व्यक्त किया गया है?

प्रश्न-3.) "इतना तो हो ही गया कि नौ-दस प्राणियों की जान बच गई। वे सब तो आशीर्वाद देंगे" मोती के इस कथन के आलोक में उसकी विशेषताएँ बताइए।

Scanned with CamScanner

कक्षा - नौवीं हिन्दी 'अ' व्यावहारिक व्याकरण

शब्द-निर्माण (उपसर्ग)

जो शब्दांश मूल शब्द के आरंभ में जुड़कर उसके अर्थ में विशेषता ला देते हैं अथवा उसके अर्थ को बिल्कुल बदल डालते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं; जैसे —

उपसर्ग		मूल शब्द	निर्मित शब्द
अ	+	ज्ञान	अज्ञान
ला	+	परवाह	लापरवाह
अधि	+	पति	अधिपति
निर	+	गुण	निर्गुण

उपर्युक्त उदाहरणों में उपसर्ग के प्रयोग से शब्दों का अर्थ बदल गया है। उपसर्ग की दो विशेषताएँ हैं:-

(क) इनका स्वतंत्र रूप से प्रयोग नहीं किया जा सकता क्योंकि ये शब्द नहीं हैं, शब्दांश हैं।

(ख) इनका प्रयोग शब्दों से पूर्व किया जाता है।

परिभाषा— वे शब्दांश जो किसी शब्द के आरंभ में लगकर उनके अर्थ में विशेषता या परिवर्तन ला देते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं।

हिंदी में चार प्रकार के उपसर्गों का प्रयोग होता है—

1) संस्कृत के उपसर्ग
2) हिंदी के उपसर्ग
3) उर्दू के उपसर्ग
4) उपसर्ग की तरह प्रयुक्त होने-वाले अव्यय।

1) संस्कृत के उपसर्ग

क्रम	उपसर्ग	अर्थ	उदाहरण
1	अ	अभाव, नहीं	अगम, अभाव, अन्याय, अधर्म, अजन्मा, अशिक्षा।
2.	आ	तक, सहित	आवरण, आचरण, आहार, आगमन, आजीवन।
3.	अति	बहुत अधिक	अत्यधिक, अतिरिक्त, अत्यंत, अत्याचार।
4.	अनु	पीछे, समान	अनुज, अनुकरण, अनुक्रम, अनुसार, अनुचर।
5.	अधि	ऊपर, श्रेष्ठ	अधिनायक, अधिपति, अधिकृत, अध्यक्ष।
6.	अप	बुरा या अनुचित	अपकार, अपमान, अपशब्द, अपयश, अपराध।
7.	अव	नीचे, हानि, बुरा	अवगुण, अवनति, अवरोह, अवशेष, अवतरण।
8.	उत्	ऊपर, श्रेष्ठ	उत्पत्ति, उत्कंठा, उद्धार, उत्तम, उत्साह।
9.	उप	निकट, समान	उपहार, उपचार, उपदेश, उपमंत्री।
10.	दुर्	बुरा, कठिन	दुर्व्यवस्था, दुर्जन, दुर्लभ, दुर्दशा, दुर्गुण।

Scanned with CamScanner

शब्द-निर्माण (उपसर्ग)

Date
Page 6

क्रम	उपसर्ग	अर्थ	उदाहरण
11	नि	नीचे, निषेध	निवास, निबंध, निमग्न, निदान, नियोग।
12.	निर्	बिना	निर्जन, निर्गुण, निर्वाह, निर्धन, निर्बल, निर्मल
13.	निस्	नहीं; रहित	निश्चल, निश्छल, निश्चय, निश्चित।
14.	परा	पीछे, उल्टा	पराजय, परामर्श, पराक्रम, पराधीन।
15	परि	सब ओर	परिपूर्ण, परिजन, परिक्रमा, परिचय, परिणाम।
16.	प्र	आगे, अधिक	प्रभात, प्रगति, प्रख्यात, प्रताप, प्रस्थान।
17.	वि	विशेष, भिन्नता	विजय, विनाश, वियोग, विमुख, विवाद।
18	सु	सरल, अच्छा	सुलभ, सुशील, सुपात्र, सुकर्म, सुपुत्र।
19.	स्व	अपना, निजी	स्वदेश, स्वतंत्र, स्वराज, स्वार्थ।
20.	सम्	अच्छा, पूर्ण	संगम, संग्रह, संचय, संगति।
21	प्रति	हर एक, सामने	प्रतिशोध, प्रतिकार, प्रत्येक, प्रतिदिन।
22	दुस्	बुरा	दुष्कर, दुष्कर्म, दुस्साहस, दुश्चरित।

2) हिंदी के उपसर्ग

क्रम	उपसर्ग	अर्थ	उदाहरण
1.	अध	आधा	अधमरा, अधपका, अधकचरा, अधखिला।
2.	अन	नहीं, अभाव	अनमोल, अनजान, अनपढ़, अनहोनी।
3	अ	अभाव	अद्भुत, अचेत, अटल, अचूक, अजर।
4.	औ	निषेध, हीन	औगुण, औघट, औघड़, औसर।
5.	उन	एक कम	उन्नीस, उनतीस, उनतालिस, उनचास।
6.	कु	बुरा	कुरूप, कुचाल, कुख्यात, कुसंग, कुपुत्र।
7.	चौ	चार	चौपाल, चौराहा, चौपाया, चौकन्ना, चौपाई।
8.	नि	बिना, रहित	निडर, निकम्मा, निहत्था, निठल्ला।
9.	पर	दूसरी पीढ़ी का	परदादा, परनाना, परपोता।
10	भर	ठीक, पूरा	भरपाई, भरमार, भरपूर, भरसक, भरपेट।
11.	बिन	निषेध, बिना	बिनकहे, बिनब्याहा, बिनजाने।
12.	सु	श्रेष्ठता, साथ	सुघड़, सुजान, सुगम, सुपुत्र।

3) उर्दू-फ़ारसी के उपसर्ग (आगत उपसर्ग)

Scanned with CamScanner

शब्द-निर्माण (उपसर्ग)

क्रम	उपसर्ग	अर्थ	उदाहरण
1.	बे	बिना, अभाव	बेचैन, बेवफा, बेईमान, बेजान, बेचारा।
2.	बा	अनुसार,सहित	बाकायदा, बाइज्जत, बामौका।
3.	बद	बुरा	बदनाम, बदबू, बदमाश, बदकिस्मत, बदचलन।
4.	कम	थोड़ा	कमबख्त, कमअक्ल, कमउम्र, कमजोर।
5.	खुश	प्रसन्न, अच्छा	खुशहाल, खुशबू, खुशदिल, खुशमिजाज।
6	ना	निषेध, नहीं	नाराज, नामुमकिन, नालायक, नापसंद, नादान।
7.	सर	मुख्य	सरकार, सरदार, सरपंच, सरपरस्त, सरहद।
8.	हम	साथ, समान	हमराज, हमदम, हमसाया, हमसफर।
9	हर	प्रति	हरदिन, हरएक, हरसाल, हररोज।
10	दर	में	दरहकीकत, दरअसल, दरकार, दरमियान।

4.) उपसर्ग की तरह प्रयुक्त होने वाले संस्कृत के अव्यय

क्रम	उपसर्ग	अर्थ	उदाहरण
1	अन्	निषेध	अनागत, अनर्थ, अनादि।
2	अधः	नीचे	अधःपतन, अधोलिखित, अधोगति।
3.	अ	निषेध	अचेत, अभाव, अज्ञान।
4.	स	सहित	सजल, सकल, सहर्ष।
5	अंतर	भीतरी	अंतर्राष्ट्रीय, अंतर्राज्य, अंतर्देशीय।
6.	अंतः	भीतरी	अंतःकरण, अंतःपुर, अंतरात्मा।
7.	चिर	बहुत, देर	चिरकाल, चिरजीवी, चिरायु, चिरस्थायी।
8.	पुरा	पहला, पुराना	पुरातत्त्व, पुरातन, पुराकाल।
9	बहिः	बाहर	बहिर्मुख, बहिर्गमन, बहिष्कार।
10	सत	सच्चा	सत्कर्म, सज्जन, सत्संग, सद्धर्म।

5.) अंग्रेजी के उपसर्ग

क्रम	उपसर्ग	अर्थ	उदाहरण
1	सब	Sub	सब-इंस्पेक्टर, सब डिप्टी कलक्टर।
2.	हेड	Head	हेडमास्टर, हेडक्लर्क, हेडकेशियर।
3.	हाफ	Half	हाफ टिकट, हाफ पेंट, हाफ प्लेट।
4.	वाइस	Vice	वाइस प्रेसीडेंट, वाइस प्रिंसिपल।

Scanned with CamScanner

शब्द- निर्माण (उपसर्ग)

गृह-कार्य

1.) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(क) उपसर्ग किसे कहते हैं ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ख) हिंदी में कितने प्रकार के उपसर्गों का प्रयोग होता है ? प्रत्येक के तीन-तीन उदाहरण दीजिए।

(ग) उपसर्ग की दो विशेषताएँ कौन-सी हैं ?

2.) दिए गए उपसर्गों से तीन-तीन शब्द बनाइए –

हम भर अलम् निस् निर उप बिन
पुनर् दुस् अव अंतर् अभि बहिर् दुर
अधि खुश अति परा प्रति।

3.) निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग व मूलशब्द छाँटकर अलग कीजिए।

शब्द रूप	उपसर्ग	मूल शब्द
अभिज्ञान		
अवगुण		
अनुराग		
उपनाम		
आमरण		
पराजय		
निश्छल		
प्रतिक्षण		
प्रस्थान		
संयोग		

*****

Scanned with CamScanner